मनमानी : नियमों को ताक पर रखकर चल रहा स्टोन क्रेशर

जिले के बहरी क्षेत्रांतर्गत लौआ मायापुर में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अनुमति के नियमों के विरुद्ध संचालित सजन स्टोन क्रेशर पर कब होगी कार्यवाही

नवभारत
ऑन द स्पाट

सीधी/बहरी 25 अप्रैल। जिले के बहरी क्षेत्रांतर्गत लौआ मयापुर में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अनुमति के नियमों के विरुद्ध संचालित सजन स्टोन क्रेशर पर कार्यवाही कब होगी? नियमों को ताक पर रखकर चल रहे स्टोन क्रेशर की मनमानी चरम पर है।

तहसील मुख्यालय बहरी से करीब 6 किलोमीटर दूर लौआ मयापुर में संचालित सजन स्टोन क्रेशर द्वारा शासन की निर्धारित गाइड लाइन को खुलेआम अनदेखा किया जा रहा है। खदान में किसी प्रकार के सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं और न ही कोई सीमा है। भू-खनन की निर्धारित सीमा 20 फिट की गई है परंतु मनमाने ढंग से अधिक क्षेत्र में खुदाई की जा रही है। यहां के जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा कभी निरीक्षण नहीं किया जाता। इसी के चलते स्टोन क्रेशर संचालक द्वारा खदान के चारों तरफ तार फिनशिंग या बाउड्रीवाल बनाने की जरूरत तक नहीं समझी गई। ऐसे में कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। पत्थर पिसाई के लिये स्प्रिंकलर पानी का उपयोग किया जाना चाहिए जिससे डस्ट हवा में न उड़े। उक्त स्टोन क्रेशर में हवा में गुबार बनकर उड़ रहे डस्ट को रोकने के कोई इंतजाम नहीं है।

बताया गया है कि खदान से पत्थर निकालने के लिये बेखौफ होकर ब्लास्टिंग चोरी-छिपे की जाती है। मनमानी ब्लास्टिंग से खदान से कुछ दूरी पर स्थित छेवला बांध को भी क्षति पहुंच सकती है। पिछले बारिश के समय पत्थर खदानों में ब्लास्टिंग के चलते बांध में दरार आ गई थी। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीपीसीबी के प्रमुख दिशा निर्देश पर एक नजर

सीपीसीबी दिश-निर्देश स्टोन क्रशिंग के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हैं जैसे-स्रोत उत्सर्जन, उत्पाद भंडारण, परिवहन, जल की खपत तथा कानूनी अनुपालन आदि। स्टोन क्रेशरों का संचालन शुरू करने से पहले राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से इन्हें संचालित करने की सहमति प्राप्त की जानी चाहिये। स्टोन क्रशिंग इकाई को पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के तहत निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों और संबंधित एसपीसीबी/पीसीसी द्वारा सीटीओ में निर्धारित शर्तों का पालन करना चाहिये। क्रशिंग, लोडिंग और अनलोडिंग गतिविधियों से धूल के उत्सर्जन को कम करने के लिये उन्हें पर्याप्त प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, जैसे-धूल दमन प्रणाली, कवर, स्क्रीन और स्प्रिंकलर स्थापित करने चाहिये। वायु के साथ उड़ने वाली धूल को रोकने के लिये उन्हें अपने उत्पादों को ढके हुए क्षेत्रों या भूमिगत कक्ष में स्टोर करना चाहिये। स्टोन क्रेशरों को जल का विवेकपूर्ण उपयोग और इसकी उपलब्धता तथा गुणवत्ता भी सुनिश्चित करनी चाहिये, साथ ही कच्चे माल को कानूनी स्रोतों से खरीदना चाहिये तथा लेन-देन का उचित रिकॉर्ड रखना चाहिये। मजिस्ट्रेट/उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा ताकि उनके अधिकार क्षेत्र में स्थित स्टोन क्रशिंग इकाइयों का नियमित निरीक्षण किया जा सके। स्टोन क्रेशर द्वारा अर्द्धवार्षिक आधार पर श्रमिकों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया जाना चाहिये।

इनका कहना है

सजन अग्रवाल के स्टोन क्रेशर में देखरेख का कार्य करता हूं। मुझे नहीं मालूम है कि पत्थर की खदान वैध या अवैध है। मुझे मालिक के द्वारा जितना बोला जाता है उतना ही कार्य किया जा रहा है।

छोटेलाल रावत, मुंशी
सजन स्टोन क्रेशर लौआ मयापुर

स्टोन क्रेशर द्वारा यदि निर्धारित मानदंडों की अनदेखी की जा रही है तो इसमें कार्रवाई की जिम्मेदारी माइनिंग विभाग की है।

राकेश शुक्ला
एसडीएम सिहावल/बहरी

सजन स्टोन क्रेशर लौआ मयापुर के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जांच करायी जायेगी। जांच में जो भी मनमानी एवं कमियां पाई जायेंगी उस पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जावेगी।

कपिलमुनि शुक्ला
खनिज अधिकारी सीधी

जल है तो कल है संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं : रीती

सूखा नाला पुनर्जीवन के लिए सीधी में हुआ श्रमदान

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सूखा नाला के पुनर्जीवन हेतु व्यापक जनसहभागिता के साथ श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक की अगुवाई में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नगरवासियों ने मिलकर नाला सफाई, गाद निकासी एवं जल प्रवाह को सुचारू बनाने के कार्य किए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए जल है तो कल है का संदेश दिया गया। साथ ही यह संकल्प लिया गया कि प्रकृति संरक्षण एवं जल संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक ने श्रमदान में सहभागिता करते हुए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम देशभर में देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। विधायक श्रीमती पाठक ने कहा कि बढ़ती जल समस्या को देखते हुए समाज के हर वर्ग की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जल का दुरुपयोग न करें और वर्षा जल संचयन जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे श्रमदान कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि समाज में सहयोग एवं सहभागिता की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विधायक द्वारा उपस्थित जनों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में पार्षद बाबूलाल कुशवाहा, आनंद परियानी, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक, विश्वबंधुधर द्विवेदी, पंकज पाण्डेय, पुष्पराज सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

एमपीपीएससी परीक्षा आज

सीधी 25 अप्रैल। अपर कलेक्टर ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर के पत्र दिनांक 9 अप्रैल 2026 के निर्देशानुसार 26 अप्रैल 2026 को सीधी जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा दो सत्रों में संपन्न होगी। प्रथम सत्र प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 2.15 बजे से 4.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

विंध्यवासियों के लिए लगेगा स्वास्थ्य शिविर, बघेलखंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट की पहल

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। राजधानी के विंध्यवासियों के लिए 23 मई को भोपाल में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। आज बघेलखंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय सिंह पूर्व नेता प्रतिपक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में भोपाल में निवासरत विंध्यवासियों के सामाजिक कल्याण और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कई दूरगामी निर्णय लिए गए। ट्रस्ट द्वारा बघेलखंड भवन में एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले विंध्यवासियों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। शिविर की विशेषता यह है कि इसमें ब्लड टेस्ट, एक्स-रे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड, ईको और पैथोलॉजी जैसी आधुनिक और महंगी जांचें पूरी तरह नि:शुल्क की जाएंगी। ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि आगामी अक्टूबर माह में एक सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। इसमें विंध्य अंचल के उन प्रतिभाशाली युवाओं को श्विंध्य प्रतिभा सम्मान से नवाजा जाएगा जिन्होंने यूपीएससी, पीएससी या अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सपुलता प्राप्त कर अंचल का नाम रोशन किया है। साथ ही समाज के मार्गदर्शक के रूप में भोपाल में रह रहे विंध्य अंचल के वरिष्ठ नागरिकों का भी विशेष सम्मान किया जाएगा। बैठक में ट्रस्ट की वार्षिक पत्रिका बघेली दर्पण के आगामी अंक के प्रकाशन की रूपरेखा भी तैयार की गई।

मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सीधी में शुक्रवार को जिला स्तरीय मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएमएचओ डॉ.बबीता खरे ने की।

बैठक में डीएचओ-1 डॉ.सुनीता तिवारी, बीएमओ सेमरिया डॉ.शिवेन्द्र पटेल, बीएमओ कुसमी डॉ.विकट सिंह, बीएमओ मझौली डॉ.संदीप शुक्ला, सीबीएमओ रामपुर नैकिन डॉ.प्रेरणा पाठक, डीसीएम, समस्त ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर, सुमन हेल्प डेस्क प्रभारी, एमएच कोऑर्डिनेटर जिला चिकित्सालय सहित सीएचओ, एएनएम एवं आशा पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। बैठक में जिले में रिपोर्ट किए गए मातृ मृत्यु के मामलों की ब्लॉकवार गहन समीक्षा की गई। प्रत्येक प्रकरण में मृत्यु के कारणों का विश्लेषण करते हुए थ्री डिले मॉडल-घर पर निर्णय में देरी, परिवहन में देरी एवं स्वास्थ्य संस्था पर उपचार में देरी कृ के आधार पर कमियों की पहचान की गई। समीक्षा में यह सामने आया कि अधिकांश मामलों में ट्रांजिट के दौरान विलंब एवं उच्च स्वास्थ्य संस्था में रेफरल में देरी प्रमुख कारण रहे। सीएमएचओ डॉ.बबीता खरे ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मातृ मृत्यु के मामलों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों की पहचान कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सुधारात्मक उपायों पर जोर देते हुए कहा कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की शत-प्रतिशत पहचान एवं लाइन लिस्टिंग की जाए तथा उनकी सघन निगरानी सुनिश्चित की जाए। एएनसी जांच, संस्थागत प्रसव एवं समय पर रेफरल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं को गृह भ्रमण बढ़ाने तथा गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों को प्रसव पूर्व खतरे के लक्षणों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। सुमन हेल्प डेस्क को 24X7 सक्रिय रखने एवं रेफरल के दौरान निर्बाध सहायता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। इसके साथ ही सभी ब्लॉकों में 108 एम्बुलेंस की समयबद्ध उपलब्धता एवं रिस्पॉन्स टाइम की नियमित मॉनिटरिंग बीपीएम के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने कहा कि एक भी रोकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु अस्वीकार्य है। सुरक्षित मातृत्व हमारा लक्ष्य है। सभी अधिकारी एवं फील्ड स्टाफसमन्वय के साथ कार्य करें और जवाबदेही सुनिश्चित करें। बैठक में डीएचओ-1 डॉ.सुनीता तिवारी द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से ब्लॉकवार आंकड़े प्रस्तुत किए गए। सभी बीएमओ को 7 दिवस के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

भाजपा सरकार में गेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह फेल : ज्ञान

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए गेंहू खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह विफल करार दिया है।

ज्ञान सिंह ने कहा कि स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई करना म.प्र. की भाजपा सरकार की नाकाम व्यवस्था का खुला प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि छोटे, मझोले और बड़े किसानों पर लगी पाबंदियों को हटाना कोई संवेदनशील निर्णय नहीं बल्कि सरकार की मजबूरी का परिणाम है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गेंहू खरीदी की रफ्तार बेहद धीमी है। 14 दिनों में मात्र 9.5 लाख मैट्रिक टन खरीदी होना इस बात का संकेत है कि सरकार के पास न कोई ठोस योजना है और न ही प्रभावी प्रबंधन। इस गति से 100 लाख मैट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा करने में करीब 140 दिन लग जाएंगे। ज्ञान सिंह ने कहा कि अब जब सभी वर्ग के किसान एक साथ तुलाई के लिए मंडियों में पहुंचेंगे तो अव्यवस्था और बढ़ेगी। किसानों को लंबी कतारों, भुगतान में देरी और भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने समितियों में चल रहे सदस्यता अभियान को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसानों पर जबरन सहकारी समितियों की सदस्यता थोपने की कोशिश की जा रही है। जबकि मूलभूत सुविधाएं ही सही ढंग से उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। खरीदी केन्द्रों में लेबर की व्यवस्था न होने से किसान स्वयं अपने फसल की तुलाई भी करवाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पास न किसानों के हित में कोई ठोस योजना है न प्रबंधन और न ही संवेदनशीलता। अहंकार में डूबी मध्यप्रदेश की मोहन सरकार आज उसी अन्याय पर तालियां बटोर रही है जिसने अन्नदाता को घाटे और बेबसी में धकेल दिया। एक तरफ सत्ता से जुड़े लोगों का गेंहू बिना स्लॉट बुकिंग के एमएसपी पर खरीदा जा रहा है और दूसरी तरफ गरीब किसान 700-800 रुपये प्रति क्विंटल घाटा उठाकर व्यापारियों के हाथों लुटने को मजबूर हैं।

जनगणना देश के विकास की मजबूत आधारशिला : डॉ. मिश्रा

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। सीधी जिले में जनगणना 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर विकास मिश्रा की उपस्थिति में जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना से संबंधित प्रावधानों, प्रक्रियाओं एवं समय-सीमा की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

बैठक में सांसद डॉ.राजेश मिश्रा एवं विधायक श्रीमती रीती पाठक ने जनगणना के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। सांसद डॉ.मिश्रा ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि देश के विकास की मजबूत आधारशिला है। इसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, आवास एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं तैयार की जाती हैं। सही एवं सटीक जानकारी मिलने से ही शासन द्वारा संसाधनों का न्यायसंगत वितरण संभव हो पाता है। विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं को दिशा देते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जागरूक करने पर जोर देते हुए कहा कि कोई भी छूटे नहीं के संकल्प के साथ सभी को इस राष्ट्रीय कार्य में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है जिसके आधार पर शासन की विभिन्न योजनाओं का निर्माण एवं संसाधनों का समुचित वितरण सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े ही विकास की दिशा तय करते हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का इसमें शामिल होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें ताकि कोई भी व्यक्ति गणना से वंचित न रह जाए।

बैठक में सुमित मौर्य ने बताया कि कि 16 से 30 अप्रैल तक स्व-गणना की प्रक्रिया संचालित की जा रही है जिसके अंतर्गत नागरिक पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके पश्चात 1 मई से 31 मई तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। जनगणना कार्य के सुचारू संचालन हेतु जिले में 2244 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इसके लिए 2006 प्रगणक नियुक्त किए गए हैं जबकि 207 प्रगणक रिजर्व में रखे गए हैं। साथ ही 334 सुपरवाइजर एवं 44 रिजर्व सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन जनगणना 2027 के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी के सहयोग से इस कार्य को सफल बनाया जाएगा। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने भी जनगणना को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

शिक्षकों की समस्या को लेकर धरना में बैठे प्रांतीय उपाध्यक्ष

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। संकुल केन्द्र शासकीय उमावि कुआं के साथ-साथ विकासखण्ड रामपुर नैकिन अंतर्गत नवीन संवर्ग के शिक्षकों के अप्रैल 2023 के लंबित वेतन भुगतान करने, लंबित क्रमोन्नति एरियर, डीए एरियर, गृहभाड़ा भत्ता भुगतान करने, विकासखण्ड मुख्यालय से ही शिक्षकों से संबंधित कार्य संपादित करने जैसी प्रमुख मुद्दों पर जिम्मेदारों से कई बार आग्रह करने पर भी जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो अंतत: आजाद अध्यापक शिक्षक संघ म.प्र. के प्रांताध्यक्ष भरत पटेल एवं जिलाध्यक्ष हरीश मिश्र को अवगत कराते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष विजय तिवारी संकुल केन्द्र कुआं प्रांगण में योगेश पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, राकेश मिश्रा, मुरली कोल, मुनेश कोरी, सोमेश्वर सोनी, रामायण शर्मा सहित कई साथियों के साथ धरना में बैठ गये। आनन फानन में बीईओ रामपुर नैकिन धरना स्थल पर आकर समस्याओं से अवगत हुए, विस्तृत चर्चा उपरांत ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया, तत्पश्चात धरना कार्यक्रम समाप्त किया गया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को मिली नई दिशा : डॉ. राजेश

अवनि कार्यक्रम : नारी शक्ति वंदन के माध्यम से उत्कृष्ट महिलाओं का सम्मान, सशक्तिकरण की प्रेरक पहल

नवभारत न्यूज

सीधी 25 अप्रैल। जिले में नारी शक्ति वंदन को एक सशक्त जनअभियान के रूप में आगे बढ़ाते हुए अवनि कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन पीएम श्री शासकीय कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय चुरहट में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले की अग्रणी एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और बहनों को सम्मानित कर उन्हें समाज के समक्ष रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना रहा ताकि अन्य महिलाएं भी उनसे प्रेरणा लेकर विकास की मुख्यधारा में सक्रिय रूप से जुड़ सकें।

कार्यक्रम में सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तिकरण को मिली नई गति और दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को केवल योजनाओं के लाभार्थी के रूप में नहीं बल्कि देश के विकास की अग्रणी शक्ति के रूप में स्थापित किया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, स्व सहायता समूहों का सशक्तिकरण जैसी पहलों ने महिलाओं के जीवन में व्यापक बदलाव लाया है। सांसद डॉ.मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच नारी शक्ति से राष्ट्र शक्ति की है जिसके तहत महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। सांसद ने उपस्थित महिलाओं से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं का लाभ लें, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और समाज में सकारात्मक बदलाव की भागीदार बनें। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि समाज के विकास की वास्तविक गति तभी संभव है जब महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त और सक्रिय हों। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और नेतृत्व के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं जो एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं बल्कि समाज के सतत विकास की आधारशिला है। उन्होंने महिलाओं से शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी के माध्यम से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर परिषद चुरहट मोनिका गुप्ता, अध्यक्ष जनपद रामपुर नैकिन उर्मिला साकेत, अध्यक्ष महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य समिति जनपद रामपुर नैकिन करूणा सिंह, नामांकित सदस्य महिला एवं बाल विकास के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका खंड स्तरीय चयन समिति सुषमा कुशवाहा, सीएमएचओ सीधी बबीता खरे, डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक, तहसीलदार चुरहट साक्षी गौतम, अमृता पाण्डेय, साक्षी पाण्डेय, कुमारी ओमिका शुक्ला, अंजुला दाहिया एवं मनोरमा सिंह, कुमारी राधा रजक, किरण तिवारी, कुमारी आंचल पटेल व पत्रकार मंटो रैकवार मंचासीन रहे।

महिलाओं व किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण

चिरैया अभियान के तहत महिलाओं एवं किशोरियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को समझाना रहा। इस दौरान 30 किशोरियों को एचपीवी टीका लगाया गया, जो सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा किशोरियों एवं महिलाओं को स्वच्छता, पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

उत्कृष्ट महिलाओं का मिला विशेष स्थान

कार्यक्रम की सबसे विशिष्ट बात यह रही कि मंच पर स्थान उन्हीं महिलाओं को दिया गया, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर समाज में एक अलग पहचान बनाई है। इन महिलाओं का सार्वजनिक रूप से सम्मान कर उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह पहल न केवल सम्मानित महिलाओं के लिए गौरव का क्षण रही बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी, जिससे वे भी अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित हों।